केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 76 सोमवार 6 अक्टूबर 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के बानपुर गांव में रविवार सुबह एक 26 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल बस्ती पहुंचाया था, जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। मृतका के पिता ने ससुराल पक्ष पर दहेज और संपत्ति विवाद को लेकर हत्या का आरोप लगाया है। उन्होंने लालगंज थाने में तहरीर देकर निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

संतकबीरनगर जिले के महुली थाना क्षेत्र के खरवनिया गांव निवासी दिलीपचंद मणि ने करीब दो साल पहले अपनी बेटी अदिति की शादी बानपुर निवासी सुनील पांडेय से की थी। रविवार सुबह अदिति की तबीयत बिगड़ने की सूचना मिली थी, और लगभग 11 बजे उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी और आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरएसएस ने किया पथ संचलन, शस्त्र पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को शिवहर्ष किसान डिग्री कॉलेज परिसर में विजयादशमी उत्सव और शस्त्र पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने अनुशासन और देशभक्ति का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुद्वारा कमेटी कंपनीबाग के प्रबंधक हरि सिंह बबलू ने की। गोरक्ष प्रांत के सह प्रांत प्रचारक सुरजीत जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में संघ की शताब्दी यात्रा को समाज सेवा, राष्ट्र निर्माण और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। मंच पर नगर संघ चालक सुनील मिश्रा और गुरु गोविंद बस्ती पालक आशुतोष जी भी मौजूद रहे।

जाम से बढ़ी परेशानी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जनपद के रुधौली – बखिरा मार्ग पर अतिक्रमण के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा है। सड़क किनारे दुकानें, ठेले और निर्माण सामग्री के ढेर लगे होने से मार्ग संकरा हो गया है, जिससे आए दिन जाम और दुर्घटनाएं होती रहती हैं। कुछ माह पूर्व ही नगर पंचायत द्वारा इंटरलॉकिंग कर सड़क को चौड़ा किया गया था ताकि आवागमन सुचारु रूप से चल सके। स्थानीय निवासियों का कहना है कि मार्ग पर पुलिस चौकी होने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। इसके चलते वाहनों को लंबे समय तक जाम में फँसना पड़ता है, राहगीरों के लिए भी चलना मुश्किल हो गया है।

कफ सिरप से एमपी में बच्चों के मौत के बाद यूपी में अलर्ट जारी

लखनऊ (आभा)। मध्य प्रदेश समेत देश के कुछ राज्यों में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों के बाद उत्तर प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। सहायक आयुक्त औषधि दिनेश कुमार तिवारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सभी जिलों को चेतावनी जारी की है। जारी आदेश में सभी औषधि निरीक्षकों को सम्बंधित बैच की बिक्री रोकने के साथ ही उनके नमूने राज्य औषधि प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजने के निर्देश दिए हैं। दूसरी तरफ योगी सरकार ने भी सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और रिपोर्ट आने तक उक्त कफ सिरप का प्रयोग पूर्णतः बंद रखा जाए।

रविवार को सहायक औषधि आयुक्त के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि मेसर्स ज़ेशन फार्मक्यूटिकल द्वारा खास बैच के कोल्ड आरआईएफ सिरप में डाईएथिलीन ग्लाइकाल और एथेलिन ग्लाइकाल जैसे विषैले रसायनों की मौजूदगी की आशंका है। ये दोनों रसायन शरीर के लिए बेहद खतरनाक हैं और इनका सेवन जानलेवा साबित हो सकता है। तिवारी ने अपने आदेश में सभी औषधि विक्रेताओं, सरकारी और गैर–सरकारी अस्पतालों को निर्देश दिए हैं कि उक्त बैच के कफ सिरप की बिक्री, वितरण और उपयोग तत्काल रोका जाए। साथ ही दुकानों व अस्पतालों में उपलब्ध स्टॉक का नमूना जांच हेतु लखनऊ स्थित राज्य औषधि प्रयोगशाला में तत्काल भेजा जाए।

उन्होंने औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि सभी स्थानों पर औषधि की उपलब्धता की जांच करें और नमूने एकत्र कर ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करें। निर्माण प्रयोगशालाओं को भी कफ सिरप में प्रयुक्त प्रोपलीन ग्लाइकाल के नमूनों की जांच करने को कहा गया है। अपने आदेश में तिवारी ने कहा कि लखनऊ प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद दोषी उत्पादकों और वितरकों पर आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आस्कर तक पहुंची बस्ती के दो दोस्तों की दर्दनाक कहानी

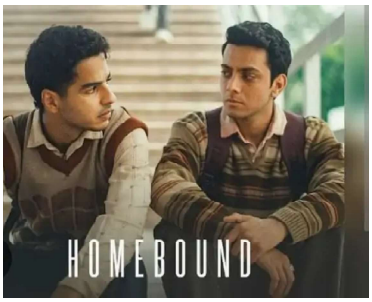

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोरोना महामारी के दौरान इंसानियत और दोस्ती की मिसाल बनी मोहम्मद सैय्यूब और अमृत प्रसाद की कहानी अब ऑस्कर तक पहुंच गई है। इन दोनों दोस्तों पर बनी फिल्म 'होमबाउंड' को ऑस्कर के लिए नामित किया गया है। घटना वर्ष 2020 के लॉकडाउन की है, जब सैय्यूब और अमृत प्रसाद गुजरात के सूरत से ट्रक द्वारा अपने घर लौट रहे थे। झांसी हाईवे के पास अमृत की तबीयत अचानक बिगड़ गई। कोरोना संक्रमण के डर से अन्य प्रवासी मजदूरों ने उसे ट्रक से उतार दिया। हालांकि, मोहम्मद सैय्यूब ने अपने दोस्त को संकट में नहीं छोड़ा। वह भी ट्रक से उतर गया और सड़क किनारे अमृत का सिर अपनी गोद में रखकर बैठा रहा। कुछ देर बाद एम्बुलेंस आने पर सैय्यूब ने अमृत को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

देवरी गांव के प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि अमृत और सैय्यूब सूरत में साथ काम करते थे। अमृत की मौत के बाद भी सैय्यूब उनके परिवार के हर सुख–दुख में साथ रहा। अमृत के पिता राम चरण ने भावुक होकर कहा कि सैय्यूब ने बेटे की मौत के बाद भी परिवार का साथ नहीं छोड़ा और बेटी की शादी में भी मदद की। सैय्यूब के पिता मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह फिल्म आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है और इसकी कमाई से अमृत के परिवार की मदद होनी चाहिए।

गांव के वसीम का कहना है कि जब समाज में दूरियां बढ़ रही थीं, तब इस दोस्ती ने भाईचारे की नई मिसाल कायम की।

ग्रामीण चौकीदारों ने किया समस्याओं के निस्तारण की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण चौकीदार विकास कल्याण समिति जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम की अध्यक्षता में एक बैठक रविवार को प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में चौकीदारों की समस्याओं पर चर्चा के साथ ही उनके समाधान की मांग किया गया।

बैठक को सम्बोधित करते हुये समिति जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गौतम ने कहा कि प्रदेश के ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर वेतन वृद्धि करते हुए राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। बताया कि पिछले कई वर्षों से चौकीदार अपनी मांगों को लेकर आंदोलित हैं। चुनाव के समय भाजपा नेताओं ने वादा किया था कि सरकार बनने पर ग्राम प्रहरी चौकीदारों को नियमित कर दिया जाएगा, यदि सरकार न बनी तो 10 हजार रुपये का मानदेय दिलाया जाएगा। प्रदेश में दो बार भाजपा की सरकार बनी लेकिन पार्टी के नेता अपना किया हुआ वादा भूल गए। कहा कि चौकीदारों नवरात्रि मेला, होली, दीपावली सहित अनेक पर्व त्यौहारों पर डियूटी लगायी जाती है किन्तु उसका मानदेय नहीं दिया जाता। चौकीदार दो दिन थानों पर सूचना देने के साथ ही रात्रिकालीन डियूटी और शेष दिन गांव में सेवा देते हैं। उन्होने कहा कि पुलिस अधिक्षक ने कहा है कि चौकीदार केवल दो दिन डियूटी करते हैं यह सही नहीं है। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग किया कि चौकीदारों की समस्याओं का निस्तारण कराने के साथ ही उनसे किये गये वायदों को पूरा कराया जाय।

बैठक में मनोज कुमार, तारकनाथ, कन्हैयालाल, सहदेव बौद्ध, संगीता गौतम, रेखा गौतम ने कहा कि चौकीदारों को अपना अधिकार हासिल करने के लिये एकजुटता बढानी होगी। बैठक में त्रिभुवन नारायण, सिविल सार्जन, टी.एम., राम प्रकाश, अदालत, भरतलाल, राजू गौतम, शिव कुमार, रामफल चौधरी, राम स्वरूप चौधरी, अनिल कुमार, राम गोविन्द, मनोज, विनय कुमार, अमरेश, रामहित, जगई, जग्गू, ऊषा देवी, सरोज, यशोदा, अमरेश चन्द्र आदि उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ का अधिवेशन कार्यक्रम घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल और जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने संयुक्तरूप से प्रदेश अध्यक्ष से विचार विमर्श के बाद संगठन को सुदृढ बनाने के उद्देश्य से क्षेत्रीय इकाईयों के त्रैवार्षिक अधिवेशन का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। अधिवेशन बीआरसी केन्द्रों पर निश्चित तिथि पर होगा।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने बताया कि रामनगर में 14 अक्टूबर, दुबौलिया 17, कुदरहा 18, बहादुरपुर 24, हर्रैया 25, बनकटी 27, बस्ती सदर 29, रुधौली 30 अक्टूबर, साऊंघाट 1 नवम्बर, नगर क्षेत्र 3, गौर 4, सल्टौआ 6, विक्रमजोत 7 और परशुरामपुर में 8 नवम्बर को अधिवेशन होंगे। बताया कि सभी अधिवेशन बीआरसी केन्द्रों पर निश्चित तिथि पर होंगे। शिक्षक अधिवेशन से पूर्व संघ के नियमानुसार प्रक्रिया पूर्ण कर लें। बताया कि संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष और मंत्री टेट को लेकर हस्ताक्षर अभियान के साथ ही सदस्यता अभियान चलाकर अधिवेशन की तैयारियों में जुट जाय।

14 अक्टूबर से 8 नवम्बर तक बी.आर.सी. केन्द्रों पर होंगे अधिवेशन–उदयशंकर

नेपाल में बारिश, भू–स्खलन से तबाही, 51 की मौत

काठमाण्डू (आभा)। नेपाल में बीते 36 घंटों से जारी भारी बारिश ने तबाही मचा दी है. बारिश के बाद हुए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ ने सड़कों को बंद कर दिया, पुल बह गए और 51 लोगों की मौत हो गई

पूर्वी नेपाल के विभिन्न इलाकों में शनिवार रात से हो रही तेज बारिश के चलते भूस्खलन और बाढ़ की घटनाएं हुईं, जिसमें कम से कम 51 लोगों की जान चली गई। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता कालिदास धौबाजी ने जानकारी दी कि कोशी प्रांत के इल्लम जिले के कई स्थानों पर पिछले 48 घंटों में भारी वर्षा से उत्पन्न भूस्खलनों में न्यूनतम 51 व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएम) के अनुसार, इन 37 मृतकों में देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में प्रत्येक में आठ, इल्लम नगरपालिका तथा संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में प्रत्येक में छह, मंगसेबुंग में तीन तथा फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति शामिल हैं। बाढ़ व भूस्खलन से उदयपुर में दो तथा पंचथर में एक व्यक्ति की मौत हुई।

साथ ही, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की जान गई। उधर, पंचथर जिले में मूसलाधार बारिश से सड़कों को नुकसान पहुंचने के कारण हुई एक सड़क दुर्घटना में छह व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफान पर आई नदी के बहाव में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हैं, जबकि इल्लम, बारा और काठमांडू में बाढ़ की अलग–अलग घटनाओं में एक–एक व्यक्ति गुम हो गए हैं। धौबाजी ने बताया कि लांगटांग क्षेत्र में ट्रेकिंग पर गए 16 सदस्यीय समूह में से चार व्यक्ति भी लापता हैं।

रालोद ने बनाये 150 सदस्यः मजबूत संगठन से ही पूरे होंगे सामाजिक, राजनीतिक लक्ष्य– अरूणेन्द्र पटेल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय लोकदल की बैठक रविवार को रुधौली विधानसभाध्यक्ष राम कृपाल चौहान की अध्यक्षता में श्रीराम नरायन बेचई किसान मजदूर पूर्व माध्यमिक विद्यालय मनिकौरा के परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में रालोद के विस्तार और जन समस्याओं के सवालो को लेकर संघर्ष तेज करने की रणनीति बनायी गई। बैठक के दौरान 150 सदस्य बनाये गये।

बैठक के मुख्य अतिथि रालोद के प्रदेश महासचिव अरूणेन्द्र पटेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह ने रालोद की जो नींव डाली थी पार्टी उसी दिशा में निरन्तर गतिमान है। राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष डा. रामाशीष राय के नेतृत्व में किसानों, नौजवानों के हितों के लिये हर संभव पहल जारी है। उन्होने बताया कि लौह पुरुष भारत रत्न सरदार पटेल के जयन्ती अवसर पर 2 अक्टूबर से अलीगढ से यात्रा निकाली गई है। यह यात्रा 31 अक्टूबर को बस्ती पहुंचेगी। उन्होने पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि यात्रा की भव्य स्वागत की तैयारियों में जुट जाय। कहा कि पार्टी की मजबूती से ही राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक लक्ष्य प्राप्त होंगे। संचालन गोरखनाथ चौधरी ने किया।

रालोद की बैठक में मुख्य रूप से श्रीराम मौर्य, इन्द्र बहादुर यादव, चन्द्रिका प्रसाद, ओंकारनाथ चौधरी, औरंगजेब, प्रदीप चौधरी, शम्भू गोपाल चौधरी, ओंकारनाथ, मुन्नीलाल, शिवराम चौधरी, दिनेश कुमार, आर.एन. पटेल, अनिल चौधरी, राम प्रसाद मौर्य, रामनरायन, दशरथ प्रसाद, नूर मोहम्मद, सौरभ राठौर, आकाश के साथ ही रालोद के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

डीआईजी ने किया बिछड़े, मिले, खोया पाया शिविर का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । कम्पनीबाग के निकट समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में संचालित बिछड़े मिले, खोया पाया माध्यम शिविर का उद्घाटन करते हुये डीआईजी संजीव त्यागी ने कहा कि यह अच्छी पहल है। पर्व त्यौहार मिल जुलकर सौहार्द से मनाये। एसपी अभिनन्दन ने कहा कि दुर्गा पूजा मेले में सुरक्षा की पूरी व्यवस्था की गई है। खोया पाया माध्यम शिविर से मेले में आये लोग अपने परिजनों, बच्चों को सहजता से प्राप्त कर सकेंगे।

समाजसेवी वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि बस्ती में पूर्णिमा के दिन देवी प्रतिमाओं की विसर्जन की पुरानी परम्परा है, पर्व त्यौहारों को मिलजुलकर खुशियों के साथ मनायें। कहा कि जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर संचालन एक अच्छी पहल है. इससे मेले में बिछड़े लोगों को अपनों से मिलाना आसान हो जाता है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता सिद्धार्थ शंकर मिश्र ने कहा कि खोया पाया शिविर की जरूरत हमेशा बनी रहेगी, पिछले 34 वर्षों से जय प्रकाश गोस्वामी द्वारा खोया पाया शिविर का अनवरत संचालन एक उपलब्धि है. बिछड़ों को मिलाना पुनीत कार्य है। शिविर संचालक जय प्रकाश गोस्वामी ने कहा कि जितना संभव होगा चाहे जितनी कठिनाईयां आयें शिविर का संचालन अनवरत जारी रहेगा। किसी के खोये हुये बच्चे को उसके परिवार से मिलाने पर खुशी मिलती है।

शिविर के उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से सी.ए. अजित चौधरी, नवीन पाल, दुर्गेश मिश्र, दीनदयाल तिवारी, वृजेश मिश्र, जी.डी. मिश्र, भूपेन्द्र चौधरी, आलोक सिंह 'अंशू', महेन्द्र प्रताप चौधरी, श्रद्धेय पाल, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू' रविशंकर शुक्ल, प्रिन्स शुक्ल, राजेश्वर तिवारी, मनोज यादव, बब्लू तिवारी, प्रभात सोनी, शिल्पू पाण्डेय, राम अधार पाल, विश्वनाथ जायसवाल, सन्तोष पाल, दिलीप पाण्डेय, गोविन्द पाण्डेय, बबुन्दर यादव, राजू शुक्ल, अभय नरायन गोस्वामी विजय प्रकाश गोस्वामी आदि शामिल रहे.

वीरांगना महारानी दुर्गावती की जयन्ती पर निकली शोभा यात्राः मण्डल मुख्यालय पर प्रतिमा स्थापित कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को अखिल भारतवर्षीय गोंड महासभा द्वारा वीरांगना महारानी दुर्गावती की जयन्ती अवसर पर जिला अस्पताल चौराहे से जिलाधिकारी कार्यालय तक शोभा यात्रा निकाली गई। आयोजक पूर्व जिलाध्यक्ष रामलला गोंड के नेतृत्व में यात्रा गाजे बाजे के साथ शोभा यात्रा रोडवेज तिराहा, गांधीनगर, कम्पनीबाग होते हुये जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची। यहां जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देकर मांग किया गया कि मण्डल मुख्यालय पर बस्ती शहर के किसी प्रमुख स्थान पर वीरांगना महारानी दुर्गावती की प्रतिमा स्थापित कराया जाय जिससे नई पीढी उनके योगदान और बलिदान से प्रेरणा ले। इसी कड़ी में ज्ञापन के द्वारा मांग किया गया है कि गोड़ समाज के लोगों का अनुसूचित जन जाति का प्रमाण–पत्र अन्य जनपदों की तरह जारी कराया जाय।

शोभा यात्रा में मुख्य रूप से लवकुश पटेल उर्फ रिंकू गुड्डू कुमार गोंड, गोंड महेश चन्द्रवंशी, परमेश गोंड, उमाकान्त गोंड, अमित कुमार गोंड, शुभम कुमार गोंड, विकास गोंड, जुगुल किशोर चौधरी, दयाराम गोंड, प्रमोद गोंड, अनूप कुमार, उमाशंकर राव, अभिषेक चौधरी, आकाश, सुरेन्द्र चौधरी, पवन, मनीष, राम गोपाल, श्यामू, सचिन कुमार गोंड, चन्द्रभान गोंड, अमन गोड, हरिलाल गोंड, धनीराम, आशुतोष, रामपत, बब्लू पाल, राजवीर चौधरी, मुकेश, सर्वेश, राहुल, ऊषा, शुभावती देवी, कलावती देवी, अनीता, शोभा, सुप्रिया, साधना, सूरज कुमार, हरीलाल, आरती, इन्द्रासनी, रीता, रंजना, पलक के साथ ही गोंड समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल रहे।

डांडिया नाइट विथ बॉलीवुड स्टार कार्यक्रम में आस्था के साथ थिरके लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । नवरात्रि, विजयादशमी पर्व पर डांस की पाठशाला द्वारा "डांडिया नाइट विथ बॉलीवुड स्टार" कार्यक्रम का आयोजन स्नेहा वर्मा और पूजा पाण्डेय के संयोजन में अटल बिहारी वाजपेई प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। डांडिया नृत्य में भारतीय संस्कृति, कला के विविध रूप जीवंत हुए. डांडिया रास, गरबा के विभिन्न स्वरूपों को कलाकारों व विभिन्न परिवारों के लोगों ने साकार किया. दर्शकों ने इसका खूब आनंद लिया। इस दौरान लोगों ने रंगीन डांडिया, ताली और डंडे से गरबा और मिट्टी के पात्र में नारियलपकड़कर नृत्य किया। इस दौरान महिलाएं देर रात तक गरबा नृत्य, डांडिया और धुनुची के साथ खूब झूमी।

कार्यक्रम का आरम्भ नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष राणा दिनेश प्रताप सिंह और महिला थाना अध्यक्ष शालिनी सिंहने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

नवरात्रि डांडिया उत्सव में मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल की टीम ने फर्स्ट ऐड की व्यवस्था किया था।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 6 अक्टूबर 2025 सोमवार

सम्पादकीय

छूआछूत का संकट

हिमाचल प्रदेश के रोहडू में एक दलित बच्चे के साथ मारपीट और फिर उसका कथित तौर पर आत्महत्या कर लेना शर्मनाक है। यह घटना बताती है कि आज भी समाज में जातिगत भेदभाव की जड़ें कितनी गहरी हैं। बदलाव के लिए दोषियों को दंड दिलाना ही काफी नहीं, लोगों की मानसिकता भी बदलनी होगी। आरोपों के मुताबिक, यह घटना 16 सितंबर की है। क्लास 6 में पढ़ने वाला 12 साल का बच्चा गांव की दुकान से कुछ सामान लेने गया था। बच्चा दलित था, जबकि दुकान अगड़ी जाति के परिवार की। बताया जा रहा है कि दुकान पर कोई नहीं था, तो बच्चा घर में घुस गया। इसी बात से नाराज होकर आरोपी महिला ने उसे धमकाया, मारा—पीटा और फिर घर का शुद्धिकरण करने के लिए एक बकरी की मांग की। कथित तौर पर घबराए बच्चे ने बाद में कीटनाशक पीकर जान दे दी।

बाद में जुड़ीं धाराएंरू आरोपी महिला पर पहले आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज हुआ था। बाद में जब तक एससीएसटी एक्ट की धाराएं जोड़ी गईं, तब तक उसे हाई कोर्ट से जमानत मिल गई। अब जब मामला तूल पकड़ रहा है, तो पुलिस जांच में तेजी आई है।

आंकड़ों में अत्याचाररू हिमाचल की यह वारदात देश में जाति के नाम पर होने वाले अत्याचारों का एक काला सच है। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में देशभर में दलितों के खिलाफ अपराध के 51 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे और इनमें 80: से ज्यादा केवल केवल 6 राज्यों के थे – यूपी, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा और महाराष्ट्र। इन आंकड़ों से भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि ँब्ैज एक्ट के तहत सजा मिलने की दर में कमी नोट की गई – साल 2020 में conviction rate 39.2: था, जबकि 2022 में 32.4:। भले ही कुछ जगहों से केस ज्यादा सामने आए हों, लेकिन कोई भी राज्य यह दावा पूरी तरह से नहीं कर सकता कि उसके यहां दलितों को किसी तरह का अपमान या अत्याचार नहीं सहना पड़ता। सरकार किसी भी दल की हो, दलितों से भेदभाव हकीकत बना हुआ है। ऐसी घटनाएं तो हमेशा सुनाई ही पड़ती रहती हैं, जहां किसी दलित दूल्हे को उसकी जाति की वजह से घोड़ी पर न बैठने दिया गया हो। संविधान का अनुच्छेद 46 कहता है कि राज्य को समाज के कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा करनी चाहिए। देश में इसके लिए कानून भी मौजूद हैं। लेकिन समाज को भी आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि आज जब हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं, तब भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जो शर्मनाक है।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का सच

समाज में महिला और पुरुषों की आबादी में संतुलन बेहद जरूरी है। देश में बेटियों की कम हो रही संख्या को समान अनुपात में लाने के लिए सरकार की ओर से हर स्तर पर प्रयास किए जाते रहे हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना भी इन्हीं प्रयासों का एक हिस्सा है। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू की गई इस योजना का मुख्य उद्देश्य गिरते लिंगानुपात को रोकना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना तथा बालिकाओं की शिक्षा और शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़े कार्यों को गति देना है। बेटियों के लिए यह योजना निश्चित तौर पर बदलाव की वाहक बन सकती है, लेकिन सवाल है कि क्या यह परिणामोन्मुख तरीके से आगे बढ़ पा रही है?

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की हालिया रपट के तथ्यों से तो ऐसा नजर नहीं आ रहा है। रपट में कहा गया है कि इस योजना के तहत पिछले ग्यारह वर्षों में स्वीकृत राशि में से करीब एक तिहाई राशि का इस्तेमाल नहीं हो पाया है। वर्ष 2024—25 (31 दिसंबर तक) में तो सबसे कम करीब तेरह फीसद राशि ही खर्च हो पाई। ऐसे में इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और इसकी सफलता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

यह सच है कि नई तकनीक अपने साथ चुनौतियां भी लेकर आती हैं। भ्रूण परीक्षण जैसे गैरकानूनी और अनैतिक कृत्य भी तकनीक के दुरुपयोग का ही परिणाम है। देश में लिंगानुपात गड़बड़ाने का एक कारण भ्रूण परीक्षण भी है। हालांकि इस पर कानूनन प्रतिबंध है, लेकिन चोरी—छिपे भ्रूण परीक्षण कराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। हमारे समाज की रूढ़िवादी मानसिकता भी इसके लिए जिम्मेदार है। बेटे को प्राथमिकता और बेटियों को परिवार पर बोझ समझने की प्रवृत्ति आज भी मौजूद है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना में समाज की इस सोच को बदलने का आह्वान भी सम्मिलित है। इसके क्रियान्वयन में जो लापरवाही देखी जा रही है, वह बेहद निराशाजनक है। जब इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का एक बड़ा हिस्सा खर्च ही नहीं किया जा रहा है, तो इसका लाभ पात्र बालिकाओं तक कैसे पहुंचेगा? जिस उद्देश्य से यह योजना शुरू की गई थी, वह लक्ष्य कैसे हासिल हो पाएगा? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

रपट में कहा गया है कि पिछले ग्यारह वर्षों में इस योजना के तहत स्वीकृत धनराशि का सौ फीसद इस्तेमाल कभी नहीं हो पाया। यानी संबंधित अधिकारी यह तय ही नहीं कर पाते हैं कि इस राशि को कहां और कैसे खर्च किया जाए। जबकि योजना के मुताबिक, इस राशि का इस्तेमाल लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने, उनमें खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने, आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, पोषण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सुविधाएं और शौचालय के निर्माण जैसे कार्यों पर किया जाता है। जिला स्तर पर इस योजना को लागू करने के लिए धनराशि राज्य सरकार के माध्यम से प्रदान की जाती है।

रपट से पता चलता है कि कई जगह पोस्टर और नारों जैसे कार्यों पर ही अधिक राशि खर्च की गई है, जबकि बालिका शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर वास्तविक खर्च सीमित रहा। इससे साफ है कि इस योजना को जमीन पर उतारने में बहुस्तरीय लापरवाही बरती जा रही है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करनी होगी, तभी यह योजना सही मायने में आगे बढ़ पाएगी।

शिक्षा बने युद्ध की मानसिकता बदलने का माध्यम

—ललित गर्ग—

विश्व शिक्षक दिवस 5 अक्टूबर को संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में मनाया जाता है। इस दिन आध्यापकों को सामान्य रूप से और कतिपय कार्यरत एवं सेवानिवृत्त शिक्षकों को उनके विशेष योगदान के लिये सम्मानित किया जाता है। इसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा साल 1966 में यूनेस्को और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की उस संयुक्त बैठक को याद करने के लिये मनाया जाता है, जिसमें शिक्षकों की स्थिति पर चर्चा हुई थी और इसके लिये सुझाव प्रस्तुत किये गये थे। इस दिवस को 1994 के बाद से प्रतिवर्ष लगभग 100 से अधिक देशों में मनाया जा रहा है और इस प्रकार वर्ष 2025 में यह 33वाँ विश्व शिक्षक दिवस होगा। इस साल की थीम है—'शिक्षण को सहयोगी पेशे के रूप में फिर से परिभाषित करना।' इसका मतलब है कि पढ़ाई सिर्फ एक व्यक्ति का काम नहीं होना चाहिए। शिक्षक आपस में मिलकर अनुभव शेयर करें, नई तकनीकें अपनाएं और मिलकर शिक्षा प्रणाली को और मजबूत बनाएं। इस तरह शिक्षक न सिर्फ अपने पेशे में संतुष्ट रहेंगे, बल्कि छात्रों को भी बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। इस साल का संदेश यही है कि शिक्षा को सुधारने के लिए शिक्षण को व्यक्तिगत प्रयास से ऊपर उठाकर साझेदारी और सहयोग का पेशा बनाना होगा। जब शिक्षक मिलकर विचार साझा करेंगे और जिम्मेदारियां बांटेंगे, तभी शिक्षा अधिक प्रभावी और प्रेरक बन पाएगी। शिक्षक सिर्फ ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे समाज में नवाचार, समानता और परिवर्तन के बीज बोते हैं। वे बच्चों को सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस सिखाते हैं, शिक्षक ही दुनिया में शांति एवं सह—जीवन का प्रभावी सन्देश दे सकते हैं। शिक्षक को पर्याप्त सम्मान, सहयोग और अवसर मिलें तो शिक्षा के माध्यम से एक आदर्श समाज—व्यवस्था एवं शांति की विश्व—संरचना स्थापित की जा सकती है। 2025 में विश्व शिक्षक दिवस की सबसे बड़ी सभा अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित हो रही है।

विश्व शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिकता या शिक्षकों का अभिनंदन करने का अवसर भर नहीं है, बल्कि यह अवसर है शिक्षा की दिशा और दशा को लेकर गहन चिंतन करने का। यह अवसर है यह विचारने का कि आज शिक्षा क्या दे रही है और क्या उसे देना चाहिए। यह अवसर है यह पूछने का कि आज की शिक्षा व्यवस्था केवल नौकरी, व्यवसाय और उपभोग की भूख को बढ़ाने का साधन क्यों बन गई है, क्यों उसमें जीवनमूल्य, नैतिकता, शांति, सहअस्तित्व और अहिंसा जैसे आधारभूत तत्व लुप्त होते जा रहे हैं। यदि शिक्षा का ध्येय केवल ज्ञानार्जन या रोजगार प्राप्ति है तो वह अधूरी है। शिक्षा का परम ध्येय है—मनुष्य को मनुष्य बनाना, उसे सह—अस्तित्व, अमन और अयुद्ध की स्थितियों के प्रति उन्मुख करना।

आज दुनिया भय, हिंसा, युद्ध और तनाव के घेरे में है। तकनीक और विज्ञान ने सुविधाएं दी हैं, लेकिन उसके साथ शस्त्र—प्रतिस्पर्धा, परमाणु हथियारों का अंबार, और हिंसक प्रवृत्तियां भी दी हैं। इस भयावह परिदृश्य में शिक्षा का दायित्व केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं रह सकता। शिक्षा को एक आंदोलन बनना होगा, एक वैश्विक अभियान बनना होगा, जो शांति, अहिंसा और अयुद्ध की भावना को संस्कार के रूप में हर हृदय में स्थापित करे। आज की शिक्षा व्यवस्था पश्चिमी उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रभावित होकर स्पर्धा, लाभ और अहंकार की मानसिकता पैदा कर रही है। बच्चे स्कूल और कॉलेजों में डिग्री तो प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके भीतर करुणा, दया, सत्य, मैत्री और सहयोग जैसे गुणों का विकास नहीं हो रहा। समाज का ढांचा शिक्षा से निर्मित होता है, यदि शिक्षा अधूरी है तो समाज भी अधूरा रहेगा। अतः एक ऐसी नई शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है, जिसमें विज्ञान और तकनीक के साथ—साथ अध्यात्म और नैतिकता का संगम हो, जिसमें 'आत्मा की आवाज' सुनी जा सके, जिसमें शिक्षा केवल बुद्धि का पोषण न होकर हृदय और संवेदनशीलता का भी निर्माण करे।

मानवता का सबसे बड़ा संकट युद्ध और हिंसा है। युद्ध केवल सेनाओं के बीच नहीं होता, बल्कि वह हमारे विचारों में, हमारी इच्छाओं में और हमारी संस्कृति में पलता है। शिक्षा का कार्य है इस युद्ध—मानसिकता को बदलना। शिक्षा को बच्चों और युवाओं के मन में यह स्थापित करना होगा कि शक्ति का वास्तविक स्वरूप हिंसा में नहीं, बल्कि अहिंसा में है। युद्ध में नहीं, बल्कि शांति में है। महात्मा गांधी ने कहा था—"यदि हमें शांति चाहिए तो हमें बच्चों को शांति की शिक्षा देनी होगी।" यह शिक्षा केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न होकर व्यवहार का हिस्सा बने। शिक्षक स्वयं शांति के प्रतीक हों, वे अपने आचरण और जीवन से यह संदेश दें कि संघर्ष का समाधान हथियारों से नहीं, संवाद और सहमति से होता है।

शिक्षा को केवल सरकारी योजनाओं या संस्थागत ढांचे पर नहीं छोड़ देना चाहिए। इसे एक आंदोलन के रूप में चलाने की आवश्यकता है। यह आंदोलन अहिंसा का शिक्षण कराए, संवाद की संस्कृति विकसित करे, मानवता को जाति—धर्म और राष्ट्र की सीमाओं से परे प्राथमिकता दे, पर्यावरण और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता पैदा करे और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करे। यह आंदोलन तभी सफल होगा जब शिक्षक अपनी भूमिका को समझेंगे और केवल ज्ञान देने वाले नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाले बनेंगे। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश दें। उनके व्यक्तित्व में सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, करुणा और सेवा का भाव झलके। शिक्षक केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाए, बल्कि जीवन पढ़ाए। एक विचारक ने कहा है—"शिक्षक वह नहीं है जो तुम्हें तथ्यों का ज्ञान कराए, बल्कि वह है जो तुम्हें सोचने के लिए प्रेरित करे।" इसके लिये केवल शिक्षा—क्रांति ही नहीं, बल्कि शिक्षक—क्रांति अपेक्षित है।

आज आवश्यकता है कि शिक्षक बच्चों के हृदय को छूने वाले बने, वे केवल करियर बनाने की चिंता न करें, बल्कि चरित्र बनाने का प्रयास करें। शिक्षा रोजगारपरक ही नहीं, जीवनपरक हो। यदि दुनिया में शांति चाहिए, यदि आतंकवाद, हिंसा और युद्ध को समाप्त करना है तो हमें शिक्षा की दिशा बदलनी होगी। शांति और अहिंसा के बीज बचपन में बोने होंगे। अयुद्ध की स्थितियां केवल समझौते से नहीं, बल्कि संस्कार से पैदा होती हैं। शिक्षा को संस्कार की धारा बनना होगा। नए युग की शिक्षा व्यवस्था को यह संकल्प लेना होगा कि वह ऐसे मनुष्य तैयार करेगी जो भौतिक समृद्धि में ही नहीं, आध्यात्मिक ऊंचाई में भी आगे हों। जो हथियार न बनाएँ, बल्कि हाथों में करुणा और सहयोग का दीपक थामें। जो दूसरों के शोषण पर नहीं, बल्कि साझा सुख पर विश्वास करें।

विश्व शिक्षक दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शिक्षा केवल शिक्षकों और छात्रों की बात नहीं है, यह समूची मानवता का प्रश्न है। शिक्षा को यदि हम सही दिशा देंगे तो यह दुनिया स्वर्ग बन सकती है। यदि गलत दिशा देंगे तो यह नर्क में बदल सकती है। आज आवश्यकता है एक वैश्विक शिक्षा—आंदोलन के साथ—साथ शिक्षक—आन्दोलन की, जिसमें हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति की भागीदारी हो। नई शिक्षा व्यवस्था वही होगी जो युद्ध की संस्कृति को बदलकर शांति की संस्कृति स्थापित करे, हिंसा की प्रवृत्तियों को बदलकर अहिंसा की चेतना जगाए, और स्वार्थ की जगह सहयोग को जीवन का मूल मंत्र बनाए। यही शिक्षा का सच्चा उत्सव होगा, यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश।

नैमिषारण्य में आस्था और ज्ञान की अविरल धारा

—वीना गौतम—

नैमिषारण्य का सांस्कृतिक महत्व यह है कि पुराणों और महाभारत का पाठ यहीं पर वैशम्पायन ने जनमेजय को सुनाया था। सभी 18 पुराणों की रचना—कथा इसी महावन से जुड़ी हुई है। इसलिए इसे पुराणों में 'ज्ञान का कानन' कहा जाता है। यह उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में अपने वन रूप में तो मौजूद नहीं है, मगर इसकी पवित्रता और तीर्थ के रूप में इसकी महत्ता पूर्ण रूप से कायम है। इसलिए आज इसका नाम नैमिषारण्य धाम है। इसे भारतीय ज्ञान परंपरा, श्रुति, स्मृति और कथा संस्कार की भूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित यह महावन, नैमिषारण्य, हरा—भरा और ऋषियों का निवास स्थल था। यहां हर समय ज्ञान और विज्ञान की वाणी गूंजती थी। माना जाता है कि यहां हजारों वर्षों तक आश्रमों और यज्ञों का वजूद रहा है।

जहां विष्णु का चक्र एक क्षण को थमा, वहीं जन्मी कथा, आस्था और ज्ञान की अविरल धारा। नैमिषारण्य सिर्फ एक पौराणिक स्थल नहीं, वह भारतीय सभ्यता का सांस्कृतिक वन है जहां ऋषियों की वाणी, वेदों की गूंज और वृक्षों की छाया आज भी हमारी स्मृति में जीवित है। वनकथा शब्द सुनते ही मन में कई किस्म की जादुई तस्वीरें उभरती हैं, जिनमें रहस्य, रोमांच, छिपे खजाने, डर और आकर्षण का सघन भाव होता है। घने जंगल, रहस्यमयी जीव—जंतु, खंडहर, गुफाएं, लोककथाओं में बसी आत्माएं या लक्षित देवताकृकहने का मतलब यह कि वनकथा सिर्फ वन्य जीवन की कथा नहीं होती बल्कि इसमें इंसानी कल्पनाओं, डर, आस्था और अनुभवों की वृहद गाथाएं होती हैं। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि सभ्यता, संस्कृति, पर्यावरण और पारिस्थितिकी के मूल स्तंभ होते हैं। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की जड़ें वनों में ही हैं। भारत की असंख्य लोककथाएं, योग—ध्यान की परंपराएं सभी वनों से जुड़ी हैं।

यूं तो हमारे पास अब अतीत के बेहद सम्पन्न वनों की विरासत नहीं बची, फिर भी जो थोड़े बहुत वन बचे हैं, अगर हम उन्हें भी लापरवाही से खो देंगे, तो यह सिर्फ प्राचीन वनों का खोना ही नहीं होगा बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का क्षरण होगा। इसलिए सिर्फ जलवायु और पारिस्थितिकी को बचाने के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सभ्यता, संस्कृति और लोकगाथा को बचाने के लिए भी हमें अपने बचे—खुचे वनों की बहुत संवेदनशीलता से रक्षा करनी होगी। हम पौराणिक वन आख्यान के सबसे महत्वपूर्ण अरण्य नैमिषारण्य की बात कर रहे हैं।

भारत की सांस्कृतिक स्मृति, पुराणों, महाकाव्यों और लोककथाओं में कई ऐसे महावन (महान वन) वर्णित हैं, जो हमारी परंपरा और जातीय मानस के मूल में बसे हुए हैं। ये वन केवल पेड़—पौधों का समूह नहीं रहे बल्कि आध्यात्मिक साधना, आख्यान, युद्ध, शिक्षा और लोकस्मृति के केंद्र रहे। नैमिषारण्य, जिसका अब भौतिक वजूद वैसा नहीं मौजूद, जैसा उसका वर्णन हमारे धार्मिक ग्रंथों में मिलता है, मगर इसका महत्व और हमारी स्मृतियों में इसकी आख्यानिकता अभी भी मौजूद है।

नैमिषारण्य का सांस्कृतिक महत्व यह है कि पुराणों और महाभारत का पाठ यहीं पर वैशम्पायन ने जनमेजय को सुनाया था। सभी 18 पुराणों की रचना—कथा इसी महावन से जुड़ी हुई है। इसलिए इसे पुराणों में 'ज्ञान का कानन' कहा जाता है। यह उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में अपने वन रूप में तो मौजूद नहीं है, मगर इसकी पवित्रता और तीर्थ के रूप में इसकी महत्ता पूर्ण रूप से कायम है। इसलिए आज इसका नाम नैमिषारण्य धाम है। इसे भारतीय ज्ञान परंपरा, श्रुति, स्मृति और कथा संस्कार की भूमि माना जाता है। पुराणों और महाभारत में वर्णित यह महावन, नैमिषारण्य, हरा—भरा और ऋषियों का निवास स्थल था। यहां हर समय ज्ञान और विज्ञान की वाणी गूंजती थी। माना जाता है कि यहां हजारों वर्षों तक आश्रमों और यज्ञों का वजूद रहा है।

भारतीय ऋषि परंपरा के अनेक महान ऋषिकृजैसे वेदव्यास, शौनक और दधीचिकृकी कथाएं नैमिषारण्य वन से ही जुड़ी हुई हैं। इसलिए इसे 'कथा—कानन' और भारत का आध्यात्मिक विश्वविद्यालय भी कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के जिस सीतापुर जिले में इसके चिन्ह मौजूद हैं, वहां अब बड़े पैमाने पर जंगल नहीं रहे बल्कि तीर्थस्थल, मंदिर, कुंड और कुछ प्राचीन बस्तियां ही बची हैं। यहां 84 कोसी परिक्रमा का मार्ग, चक्र तीर्थ, ललिता देवी मंदिर, व्यास गद्दी, दधीचि कुंड जैसे धार्मिक और पौराणिक आकर्षण मौजूद हैं।

गोमती नदी इसके निकट से होकर बहती है, लेकिन समय के साथ नैमिषारण्य का वन रूप नष्ट हो चुका है। लगातार जंगलों का कटना, खेती, आबादी, सड़क और जन बस्तियों के विस्तार से इसका अरण्य रूप समाप्त हो गया है। हालांकि, आज भी यहां हजारों साधु—संत रहते हैं और पूरे साल तीर्थयात्रियों का आवागमन बना रहता है। इस तरह, नैमिषारण्य का वन स्वरूप तो नहीं रहा, लेकिन एक धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में इसकी उपस्थिति बनी हुई है। वर्तमान सरकार ने 8,511 हेक्टेयर क्षेत्र को प्राचीन स्मृति वन के रूप में विकसित करने की योजना बनाई है। अगर यह योजना अपने वास्तविक रूप में आकार लेती है, तो संभव है कि एक—दो दशकों में पौराणिक नैमिषारण्य की झलक फिर से दिखाई दे।

नैमिषारण्य नाम के पीछे की कथा यह है कि जब देवताओं ने ब्रह्मा से निवेदन किया कि पृथ्वी पापों से बोझिल हो गई है, तो उन्होंने विष्णु का चक्र घुमाया। जहां यह चक्र एक क्षण के लिए ठहरा, वही स्थान नैमिष या नैमिषारण्य कहलाया। 'नैमिष' का अर्थ है वह पवित्र स्थल जो भगवान विष्णु के चक्र के क्षणिक ठहराव से बना। नैमिषारण्य का उल्लेख ऋग्वेद, महाभारत, रामायण और पुराणों में बार—बार हुआ है। इसे 88 हजार ऋषियों की तपोभूमि का गौरव प्राप्त है। माना जाता है कि यहीं पर सूत जी ने शौनक ऋषि तथा अन्य ऋषियों को महाभारत की ज्ञान कथाएं सुनाई थीं। पारिस्थितिकी की दृष्टि से नैमिषारण्य गंगा—गोमती दोआब की हरित पट्टी का हिस्सा है, जो उत्तर भारत के भूजल और वायु संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

यहां पीपल, बरगद, बेल, अशोक और आंवले के पवित्र वृक्ष मिलते हैं, जिन्हें आयुर्वेद और धार्मिक परंपरा में जीवनदायी माना गया है। इसलिए यह क्षेत्र आज भी स्थानीय जैव विविधता का संरक्षक है और उत्तर प्रदेश के लिए एक प्रकार का हरित फेफड़ा है। देखा जाए तो नैमिषारण्य केवल एक प्राचीन पौराणिक स्थल भर नहीं है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का आनंद स्रोत है जहां कथा, आस्था और पर्यावरण तीनों का अद्भुत संगम मिलता है। इ.रि.सें.

नाकाम पेरिस जलवायु समझौता हुआ

—प्रमोद भार्गव—

जलवायु परिवर्तन की एक नई रपट ने चेतावनी दी है कि पेरिस जलवायु समझौते के दस साल बाद भी कई देश जीवाश्म ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उत्पादन अंतराल रपट 2025 के अनुसार, अनेक देशों की सरकारें 2030 तक कोयला, तेल और गैस के उत्पादन की योजना बना रही हैं, जो वायुमंडल की तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए जरूरी ईंधन से दोगुने से अधिक हो सकता है। यह उत्पादन लक्ष्य से 120 प्रतिशत अधिक और 2 डिग्री सेल्सियस वृद्धि के लक्ष्य से 77 प्रतिशत अधिक है।

पेरिस समझौता 2025 में 10 साल पूरे कर रहा है। इसके अंतर्गत देशों ने तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित रखने और इसे दो डिग्री से बहुत नीचे रखने के प्रयास की प्रतिबद्धता जताई थी। दुबई में आयोजित हुए सीओपी 28 में सरकारों ने 'ऊर्जा प्रणालियों में जीवाश्म ईंधन से दूसरे स्रोतों की ओर जाने' के आवाहन पर सहमति व्यक्त की थी। स्टाकहोम एनवायरमेंट इंस्टीट्यूट (एसईआई) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड क्लाइमेट एनालिटिक्स (यूएनईपी) की रपट के अनुसार जीवाश्म ईंधन का उपयोग कम करने की बजाए सरकारें अब सामूहिक रूप से 2035 तक कोयला उत्पादन, 2050 तक गैस उत्पादन और सदी के मध्य तक तेल उत्पादन में निरंतर वृद्धि की योजना बना रही हैं। अतएव कहा जा सकता है कि व्यतीत हो चुके समय की भरपाई के लिए आने वाले दशकों में जीवाश्म ईंधन उत्पादन में और भी तेजी से कमी लानी होगी।

भारत, अमेरिका, चीन, रूस, सऊदी अरब और आस्ट्रेलिया सहित 20 प्रमुख उत्पादकों को शामिल करते हुए किए गए विषलेशण से पता चला है कि 17 देश अभी भी 2030 तक एक जीवाश्म ईंधन का उत्पादन बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। अर्थात कोयला, तेल या गैस का उत्पादन दो साल पहले की तुलना में कहीं अधिक होगा। रपट में बताया है कि 2030 तक कोयला उत्पादन 1.5 डिग्री सेल्सियस के अनुरूप स्तर से 500 प्रतिशत अधिक होगा, तेल 31 और गैस का उत्पादन 92 प्रतिशत से अधिक होगा। जबकि वैश्विक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2040 तक कोयले का उपयोग लगभग समाप्त करने और 2050 तक तेल एवं गैस उत्पादन में तीन चौथाई कटौती की प्रतिबद्धता जताई थी।

धरती पर रहने वाले जीव—जगत पर करीब तीन दशक से जलवायु परिवर्तन के वर्तमान और भविष्य में होने वाले संकटों की तलवार लटकी हुई है। मनुष्य और जलवायु बदलाव के बीच की दूरी निरंतर कम हो रही है। पर्यावरण विज्ञानियों ने बहुत पहले जान लिया था कि औद्योगिक विकास से उत्सर्जित कार्बन और षहरी विकास से घटते जंगल से वायुमंडल का तपमान बढ़ रहा है, जो पृथ्वी के लिए घातक है। इस सदी के अंत तक पृथ्वी की गर्मी 2.7 प्रतिशत बढ़ जाएगी, नतीजतन पृथ्वीवासियों को भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस मानव निर्मित वैश्विक आपदा से निपटने के लिए प्रतिवर्श एक अंतरराश्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन जिसे कांफ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपीध्कॉप) के नाम से भी जाना जाता है की पिछली बैठक सीओपी 28वीं दुबई में संपन्न हुई थी। पेरिस समझौते के तहत वायुमंडल का तापमान औसतन 1.5 डिग्री सेल्सियस से कम रखने के प्रयास के प्रति भागीदार देशों ने वचनबद्धता जताई थी। लेकिन वास्तव में अभी तक 56 देशों ने संयुक्त राश्ट्र के मानदंडों के अनुसार पर्यावरण सुधार की घोषणा की है। इनमें यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन जापान और भारत भी शामिल हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन तथा इजरायल और फिलिस्तीन युद्ध के चलते कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और नवीकरणीय ऊर्जा को जो बढ़ावा दिया जाना था, वह उम्मीद के अनुरूप नहीं हो पा रहा है। क्योंकि जिन देशों ने वचनबद्धता निभाते हुए कोयला से ऊर्जा उत्सर्जन के जो संयंत्र बंद कर दिए थे, उन्हें रूस द्वारा गैस देना बंद कर दिए जाने के बाद फिर से चालू करने की तैयारियां हो रही हैं।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर नगर में पथ संचलन विधायक रामप्रताप वर्मा सहित कई स्वयंसेवक शामिल हुए

संवाददाता—बलरामपुर। रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नगर में पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक रामप्रताप वर्मा और ब्लॉक प्रमुख राकेश तिवारी सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल हुए। पथ संचलन का शुभारंभ संघ प्रार्थना और ध्वज वंदन के साथ हुआ। स्वयंसेवकों ने पारंपरिक गणवेश में अनुशासित पंक्तियों में नगर के प्रमुख मार्गों से मार्च किया। इस दौरान भारत माता की जय और श्वंदे मातरम्श के नारे गूंजते रहे। विभाग प्रचारक प्रवीण कुमार ने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में प्रत्येक स्वयंसेवक को समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए, क्योंकि संघ का निर्माण भारत को केंद्र में रखकर किया गया है। जिला प्रचारक जितेंद्र कुमार ने जोर दिया कि संघ की विचारधारा में श्राष्ट्र प्रथमश है और हर स्वयंसेवक का कर्तव्य है कि वह देश के हर नागरिक में राष्ट्रीयता की भावना जगाए। विधायक रामप्रताप वर्मा ने आरएसएस के पिछले सौ वर्षों के योगदान को अद्वितीय बताया, जिसमें समाज, संस्कृति और राष्ट्र का उत्थान शामिल है। उन्होंने कहा कि संघ ने सेवा और संगठन के माध्यम से देश में एकता की भावना को सशक्त किया है। ब्लॉक प्रमुख राकेश तिवारी ने कहा कि आरएसएस राष्ट्र को संगठित करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है और इसका अनुशासन हर व्यक्ति के जीवन में प्रेरणा देता है। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अनूप गुप्ता ने कहा कि संघ देश के युवा वर्ग को अनुशासन और समर्पण की शिक्षा देता है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव होता है। पथ संचलन की अध्यक्षता दुखहरण नाथ मंदिर के महंत मयंक गिरी ने की। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि महिपाल चौधरी, राधेश्याम वर्मा, सरोज कुमार, हर्षवर्धन, अभिमन्यु, कृष्ण कुमार, अभिषेक, रामनरेश, मनीष, मारुति नंदन, अभिषेक, दिनेश, राघवेन्द्र, अरविंद, दीपक, अंकुर, विकास, आर्यन, रामनाथ सहित कई अन्य स्वयंसेवक और पदाधिकारी मौजूद रहे।

करंट लगने से युवक की मौत

संवाददाता—बलरामपुर। रेहरा बाजार थाना क्षेत्र के अचलपुर रूप गांव के पास 11 हजार वोल्ट के विद्युत तार की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान जरवल रोड निवासी 30 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई है। वह एक निजी डीसीएम ट्रक पर खलासी का काम करता था।

यह घटना उस समय हुई जब डीसीएम पर माल लादकर बाबागंज होते हुए सादुल्लाहनगर जा रही थी। रास्ते में गाड़ी की रस्सी अचानक ढीली हो गई। ड्राइवर आबिद ने गाड़ी को सड़क किनारे रोका और अमित को रस्सी कसने के लिए ऊपर भेजा।

रस्सी कसने के दौरान अमित का हाथ ऊपर से गुजर रहे 11,000 वोल्ट के विद्युत तार से छू गया। करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने युवक को तुरंत रेहराबाजार सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर 11 हजार वोल्ट का हाई वोल्टेज तार महज 12 फीट की ऊंचाई से गुजर रहा है, जबकि नियमानुसार इसकी ऊंचाई कम से कम 20 फीट होनी चाहिए। क्षेत्र में इस तरह के हादसे पहले भी हो चुके हैं। दो महीने पहले ग्राम सभा सोना पर में भी एक महिला की इसी तरह करंट लगने से मौत हो गई थी।

प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश सिंह ने जानकारी दी कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

भेड़िए के बाद अब सियार का आतंक, भाई—बहन पर किया हमला, ग्रामीणों ने मार डाला

संवाददाता—बहराइच। जंगली जानवरों का आतंक खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। कभी तेंदुआ तो कभी भेड़िया लोगों को पर हमला किए रह रहे हैं। अब सियार भी ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गए हैं। दरअसल जिले के रामगांव क्षेत्र में शनिवार रात एक सियार ने हमला कर एक युवती सहित दो लोगों को घायल कर दिया। हालांकि घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हमलावर पशु को मार डाला। प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव ने बताया कि बहराइच वन प्रभाग के बहराइच रेंज में शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे रामगांव थाना क्षेत्र के तेड़िया गांव में एक सियार ने राजकुमार और सुशीला पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद ग्रामीणों ने पशु को मार डाला। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इलाज के लिए अस्पताल लाए गए घायल युवक राजकुमार ने शनिवार देर रात बताया ष्हम सो रहे थे तभी पशु ने पहले मेरी बहन पर हमला किया, फिर उसने मुझ पर हमला किया, मैं थोड़ा नशे में था। मैंने खुद को छुड़ाकर उसकी गर्दन दबोच ली और तब तक दबाए रखा जब तक वो मर नहीं गया। जानवर का शव मेरे घर पर पड़ा है। इससे पहले 2 अक्टूबर को कैसरगंज थाना क्षेत्र के गंडारा गांव में सियार ने हमला कर दो बच्चों समेत चार लोगों को घायल कर दिया था।

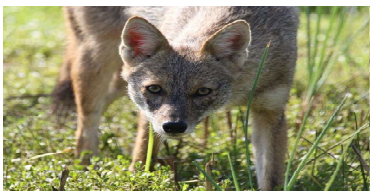

प्रभागीय वन अधिकारी ने बताया कि कैसरगंज व महसी तहसील में भेड़िये के आतंक से प्रभावित व सक्रियता वाले क्षेत्र को चार सेक्टर में बांटकर विशेषज्ञों द्वारा रणनीति बनाकर बचाव अभियान संचालित किया जा रहा है। जिला मुख्यालय पर कमांड सेंटर स्थापित किया गया है। भेड़िये को पकड़ने के लिये 21 कार्य बल सहित जिला प्रशासन की 36 टीम लगी हुई है। गश्ती दल व विशेषज्ञ टीम चार ड्रोन कैमरे, 25 कैमरा ट्रैप्स संवेदनशील स्थानों पर लगाकर दिन रात गश्त कर भेड़िये को खोज रही है। उन्होंने बताया कि पशु के आतंक से प्रभावित गांवों में 20 सोलर सीसीटीवी कैमरे, तीन ट्रैपिंग केज लगाकर, पगचिह्न के सहारे उसे पकड़ने की कोशिश की जा रही है। भेड़िये को 'ट्रैकुलाईज' करने के लिए पशु चिकित्सकों की दो टीम लगी है। प्रभावित क्षेत्र में दिन रात गश्त करके नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। गांवों के बाहर पटाखे चलाकर हिंसक वन्यजीव को रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। कैसरगंज तहसील के मझारा तौकली तथा आसपास के करीब 12 से अधिक गांवों में 9 सितंबर से भेड़िये तथा जंगली जानवरों का आतंक है। वन्यजीवों के हमलों में चार अक्टूबर तक चार बच्चों व एक बुजुर्ग दंपति सहित कुल छह लोगों की मौत हो चुकी है। 24 से अधिक ग्रामीण व कई मवेशी घायल हुए हैं। बीते तीन दिनों में इस क्षेत्र से दूर स्थित जिले के अन्य इलाकों से सियार के हमलों की भी खबरें आनी शुरू हुई हैं।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला में 2155 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता—महराजगंज। रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेला आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय के अनुसार, जिले की कुल 41 चिकित्सा इकाइयों पर एक साथ यह मेला संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। मेले में कुल 2155 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण और उपचार किया गया।

इनमें 764 पुरुष, 1038 महिलाएं और 353 बच्चे शामिल थे। स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं। साथ ही लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए गए।

सीएमओ कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री आरोग्य मेला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

विभागीय अधिकारियों ने बताया कि मेले के दौरान इस बार किसी भी लाभार्थी का गोल्डन कार्ड नहीं बनाया जा सका। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बताया गया कि आगामी मेलों में गोल्डन कार्ड बनाने की प्रक्रिया को और सशक्त किया जाएगा, ताकि आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ मिल सके।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला के नोडल अधिकारी और डिप्टी सीएमओ डॉ. केपी सिंह ने बताया कि मेले में मरीजों को बेहतर इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई। मेले के सफल आयोजन के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों, डॉक्टरों और आशा कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए थे।

जीएसटी सुधार देश की अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर —विधायक

संवाददाता—बलरामपुर। रविवार को सदर विधायक पल्टूराम के कैंप कार्यालय में जीएसटी विधानसभा सम्मेलन के तहत एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय और जीएसटी विशेषज्ञ व वरिष्ठ अधिवक्ता इंदु भूषण जायसवाल अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

गोष्ठी का मुख्य विषय जीएसटी सुधार और उसका आमजन पर प्रभाव था। इसमें बलरामपुर जिले के व्यापारी, उद्योगपति, सीए और व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हाल के जीएसटी सुधारों ने कर प्रणाली को सरल बनाने के साथ—साथ व्यापारिक पारदर्शिता बढ़ाई है और आम जनता को राहत प्रदान की है। सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि वैश्विक महंगाई के चरम पर होने के बावजूद भारत ने जीएसटी सुधारों के माध्यम से जनता को राहत दी है।

जीएसटी विशेषज्ञ इंदु भूषण जायसवाल ने बताया कि जीएसटी के ऑनलाइन सिस्टम से व्यापारी अब घर बैठे ही टैक्स रिटर्न दाखिल कर पा रहे हैं। उन्होंने कर प्रणाली की तुलना श्फौरेंश से की, जो फूल से रस तो लेता है पर उसे नुकसान नहीं पहुंचाता। उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी व्यवस्था ने वैट की तुलना में व्यापारियों की परेशानियों को कम किया है।

श्रावस्ती विधायक राम फेरन पाण्डेय ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने देश की व्यापारिक रीढ़ को मजबूती प्रदान की है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एक युवक जो पहले बाइक नहीं खरीद पा रहा था, वह अब कम कीमत में बाइक लेकर होम डिलीवरी व्यवसाय शुरू कर चुका है।

कार्यक्रम के अंत में सदर विधायक पल्टूराम ने कहा कि जीएसटी में दी गई छूट केवल कर में राहत नहीं, बल्कि एक आर्थिक क्रांति का संकेत है। उन्होंने सभी व्यापारियों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने और पारदर्शी तरीके से व्यापार बढ़ाने का आह्वान किया।

व्यवसायी राजन जायसवाल ने बताया कि जीएसटी में कटौती से जीवन रक्षक दवाएं और बीमा पॉलिसियां सस्ती होंगी, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों को बड़ा लाभ मिलेगा।

सीए अनूप सर्राफ ने जानकारी दी कि मिल्क प्रोडक्ट्स पर जीएसटी शून्य किया गया है, जिससे डेयरी उद्योग और किसान लाभान्वित होंगे। इस अवसर पर विजय अग्रवाल, पुनीत पाहवा, सुशील हमीरवासिया, अमित अग्रवाल, सुभाष पाण्डेय, राकेश केसरवानी और बृजेंद्र तिवारी सहित कई प्रमुख व्यापारी व उद्योगपति उपस्थित थे।

ग्रामीणों—बजरंग दल ने गौ तस्कर पकड़ा

संवाददाता—महराजगंज। सोनौली थाना क्षेत्र के भगवानपुर बॉर्डर के पास रविवार को ग्रामीणों और बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने एक गौ तस्कर को पकड़ा। यह तस्कर अवैध रूप से गोवंश को नेपाल भेजने की कोशिश कर रहा था, जिसे बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, रविवार को कुछ संदिग्ध गतिविधियां देखने के बाद ग्रामीणों ने बजरंग दल कार्यकर्ताओं को सूचित किया। मौके पर पहुंचे कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों के साथ मिलकर तस्कर को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कुछ देर के लिए हंगामा भी हुआ, लेकिन ग्रामीणों की सक्रियता से तस्कर को पकड़ लिया गया।

सूचना मिलते ही सोनौली थाने की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने गौवंश के साथ तस्कर को हिरासत में ले लिया। उसके खिलाफ पशु तस्करी से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है।

स्थानीय लोगों के समय पर सहयोग और पुलिस को सूचना देने से गोवंश तस्करी की एक बड़ी कोशिश नाकाम हो गई। पुलिस ने इस तस्करी गतिविधि पर कड़ा रुख अपनाते हुए मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

9वीं की तीन छात्राएं रहस्यमय ढंग से लापता, घर से कॉलेज जाने को निकली थीं, पुलिस तलाश में जुटी

संवाददाता—श्रावस्ती। एक कॉलेज में पढ़ने वाली कक्षा नौ की तीन छात्राएं शनिवार को रहस्यमय ढंग से लापता हो गईं। परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। तीन छात्राओं के लापता होने से क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। वहीं घरवाले किसी अनहोनी की आशंका पर चिंतित हैं। पुलिस छात्राओं की तलाश में जुटी है। सोनवा थाना क्षेत्र की दो किशोरियां और गिलौला थाना क्षेत्र निवासी एक किशोरी शनिवार को घर से कॉलेज जाने की बात कहकर निकली थीं। लेकिन, देर शाम तक घर नहीं लौटीं। किशोरियों के घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। कॉलेज पहुंचने पर पता चला कि 3 बजे ही छुट्टी हो गई थी। इसके बाद परिजनों ने सगे—संबंधियों को फोन करके जानकारी ली। लेकिन, उन्हें सभी जगह से निराशा हाथ लगी। किसी अनहोनी की आशंका में परिजनों ने थाने पहुंचकर शिकायत की। गिलौला थाना प्रभारी विनय कुमार पांडेय ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज करके किशोरी की तलाश शुरू कर दी गई है। वहीं, सोनवा थाना प्रभारी बिशुनदेव पांडेय ने भी गुमशुदगी दर्ज करके तलाश शुरू करने की बात कही।

एक साथ तीन किशोरियों के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद से क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है। कुछ लोग तीनों छात्राओं के एक साथ कहीं घूमने जाने की बात कह रहे हैं, तो अधिकांश लोग अपहरण की चर्चा कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि एक साथ तीनों किशोरियां घूमने नहीं जा सकती हैं। उनका किसी गैंग ने सुनियोजित तरीके से अपहरण किया है।

सीओ भरत पासवान ने बताया कि तीनों किशोरियों की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। किशोरियों की तलाश में पुलिस की दो टीमें, एसओजी व सर्विलांस टीम को लगाया गया है। जल्द तीनों को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

संघ शताब्दी वर्ष, दीनदयाल बस्ती में पथ संचलनः मुख्य वक्ता बोले—सनातन बचा रहेगा तो भारत बचा रहेगा

संवाददाता—देवरिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में दीनदयाल बस्ती में पथ संचलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन संत विनोबा डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम हॉल में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल त्रिपाठी ने की, जबकि क्षेत्र प्रचारक अनिल मुख्य वक्ता रहे।

मुख्य वक्ता अनिल ने अपने संबोधन में कहा कि हमारे व्रत और त्योहार हिंदू संस्कृति तथा सनातन परंपरा को जीवंत रखते हैं। उन्होंने महर्षि अरविंद घोष के कथन का उल्लेख किया, ष्यदि सनातन बचा रहेगा, तो भारत भी बचा रहेगा, और यदि सनातन छिन्न—भिन्न हो गया, तो भारत भी टूट जाएगा।

उन्होंने भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों का प्रमाण देते हुए बताया कि दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में भी स्थानीय मुस्लिम समुदाय रामलीला का मंचन करता है।

अनिल ने संघ की स्थापना (सितंबर 1925) और उसी वर्ष कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया की स्थापना (दिसंबर 1925) का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज समाज के सामने दोनों संगठनों के कार्य और उनके परिणाम स्पष्ट हैं। जहां एक विचारधारा समाज को तोड़ने का काम करती है, वहीं संघ समाज को जोड़ने और राष्ट्रीय एकता को सशक्त करने का कार्य करता है।

उन्होंने बताया कि पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में संघ के स्वयंसेवक अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी अपना कार्य निरंतर करते हैं। अनिल ने कहा कि यूनान, मिस्र और रोम जैसी प्राचीन सभ्यताएं समाप्त हो गई, लेकिन भारत आज भी जीवित है क्योंकि हमारे त्योहार, परंपराएं और संस्कृति हमें एक सूत्र में बांधती हैं।

कार्यक्रम के बाद पथ संचलन निकाला गया। यह संचलन नेहरू नगर, शहीद भगत सिंह चौक, गुरुद्वारा, साकेत नगर और चकिया मोड़ से होते हुए पुनः संत विनोबा डिग्री कॉलेज पर समाप्त हुआ।

इस अवसर पर विभाग प्रचारक दीपक, जिला प्रचारक आकाश, जिला संघचालक मकसूदन, कार्यक्रम संयोजक अवनीन्द्र, विकास, दीपक, सतीश, राजेन्द्र सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, समाजबंधु और मातृशक्ति उपस्थित रहे।

वन मंत्री अरुण कुमार ने भेड़िए के हमले से प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

संवाददाता—बहराइच। जिले के कैसरगंज इलाके में आदमखोर भेड़ियों का आतंक जारी है। अब तक चार बच्चों सहित छह लोगों की मौत हो चुकी है। रविवार को प्रदेश के वन मंत्री अरुण कुमार ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और पीड़ितों से मुलाकात की। वन विभाग ने भेड़ियों को पकड़ने के लिए बीस से अधिक टीमें गठित की हैं। मंत्री अरुण कुमार कैसरगंज तहसील के मंझारा तौकली गांव पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया और वन विभाग द्वारा चलाए जा रहे बचाव अभियान की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और घायलों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी। वन मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन और वन विभाग हिंसक वन्यजीव को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चला रहे हैं।

इलाके में अलग—अलग टीमें भेड़ियों को रेस्क्यू करने का प्रयास कर रही हैं। इस दौरान जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, वन संरक्षक रेनू सिंह, एसडीएम कैसरगंज अखिलेश कुमार, थाना प्रभारी कैसरगंज, ब्लॉक प्रमुख रणवीर सिंह मुन्ना, मंडल अध्यक्ष मनोज पांडेय (गजाधरपुर), महामंत्री चंद्र प्रकाश सिंह, सीताराम पांडे, बद्री प्रसाद अवस्थी, श्रवण कुमार गौड़ सहित कई अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

तलाश गुमशुदा

नाम गुमशुदा - प्रीतम गौतम

पिता - विक्रम

पता - अरगुपुर कला थाना शाहगंज जिला जौनपुर

गुमशुदा होने का दिनांक- 30/09/2025

उम्र लगभग - 14

हुलिया - गोरा

लम्बाई - लगभग 4 फीट

चेहरा - लम्बा

पहनावा - शर्ट व पेंट

सूचनाकर्ता - सुषमा

मो- 8318859227, 7505119253

पता -अरगुपुर कला थाना शाहगंज जिला जौनपुर

दिनांक -30/09/2025 को अनीता होमस्टे से निकट अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन शाम 6:00 बजे से खो गये है बहुत खोजने के बाद नही मिले।

अगर इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई जानकारी मिले तो निम्न पते पर सूचना देने का कष्ट करें।

व्यक्ति को कोई जानकारी मिले तो निम्न पते पर सूचना देने का कष्ट करें -

1. श्रीमान् वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, अयोध्या धाम - 9454400270
2. श्रीमान् अपर पुलिस अधीक्षक महोदय, अयोध्या धाम - 9454401048
3. श्रीमान् क्षेत्राधिकारी महोदय, अयोध्या धाम - 9454401394
4. श्रीमान् प्रभारी निरीक्षक महोदय, श्री राम जन्म भूमि अयोध्या धाम- 9454403310
5. जांच कर्ता प्रवीण सिंह - 8601945524

पुलिस ने 'रन फॉर एम्पावरमेंट' दौड़ आयोजित

संवाददाता—बलरामपुर। पुलिस ने मिशन शक्ति फेज—5.0 अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए रविवार को श्रन फॉर एम्पावरमेंटश दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में संतोषी मां तिराहा से वीर विनय तक संपन्न हुई। इस दौड़ में महिला पुलिसकर्मियों ने बढ़—चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश दिया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को एसपी विकास कुमार और एएसपी विशाल पांडेय ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महिला थाने की आरक्षी प्रीतम यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला सहायता प्रकोष्ठ की आरक्षी अनामिका सोनी द्वितीय स्थान पर रहीं, जबकि कोतवाली देहात की महिला उप निरीक्षक शर्मिला वर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया।

इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं जैसे शिक्षा व जागरूकता, आर्थिक स्वावलंबन, स्वास्थ्य व कल्याण तथा सामाजिक समर्थन पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, वन स्टॉप सेंटर, विभिन्न थानों और अन्य पुलिस इकाइयों की महिला पुलिसकर्मियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों को ऊर्जा और हाइड्रेशन के लिए एनर्जी ड्रिंक और पानी की बोतलें भी वितरित की गईं।

पार्षद प्रतिनिधि सोनू यादव ने उतारी आरती, संपन्न हुआ विशाल भंडारा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। सिंह वाहिनी दुर्गा पूजा समिति तत्वाधान में रामनगरी के चूड़ामणि चौराहा महोबरा बाजार में दुर्गा पूजा एवं विजयादशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में सरदार पटेल नगर वार्ड की पार्षद इंदरावती यादव के प्रतिनिधि मिथिलेश यादव उर्फ सोनू यादव मौजूद रहे। जिन्होंने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधि—विधान पूर्वक मां दुर्गा का पूजन—अर्चन कर आरती उतारी। तदुपरांत मैया को फल—मिष्ठान का भोग लगाया। अंत में मां भक्तों को प्रसाद वितरण हुआ साथ ही साथ विजयादशमी उत्सव भी मनाया गया। दुर्गा नवमी पर समिति द्वारा विशाल भंडारा आयोजित रहा। भंडारे में काफी संख्या में भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश यादव उर्फ सोनू यादव ने कहा कि विजयादशमी त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। शारदीय नवरात्रि का पावन पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। नवरात्रि पर उन्होंने महोबरा बाजार में सिंह वाहिनी दुर्गा पूजा समिति के तत्वाधान में आयोजित दुर्गा पूजा में मां जगदम्बा का पूजन—अर्चन कर आरती उतारी। शारदीय नवरात्र का महत्व आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से अत्यंत उपयोगी है। नवरात्र का समय देवी भगवती की उपासना के माध्यम से आत्मिक शक्ति, मानसिक शांति और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ाने का एक अलभ्य अवसर होता है। यह नौ दिनों का उत्सव देवी दुर्गा के नौ रूपों की साधना और उपासना के लिए समर्पित होता है। इन दिनों भक्त माता से शक्ति, साहस, समृद्धि और परिवार में सुख—शांति की प्राप्ति की कामना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्र में माता की पूजा करने से घर—परिवार में सकारात्मक ऊर्जा, धन—धान्य और खुशहाली बनी रहती है।

इन नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ अलग—अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है और व्रत रखा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इन नौ दिनों में मां को उनके प्रिय भोग लगाने से वे प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों की सभी मनोकामनाओं को पूरी करती हैं। सच्चे मन से मां भगवती की आराधना करना चाहिए। वही हमारा कल्याण करती हैं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। जो राक्षस महिषासुर पर देवी दुर्गा की जीत का प्रतीक है। दुनिया भर में हिंदू धर्म के अनुयायी नवरात्रि मनाते हैं। एक अनोखा त्योहार जिसमें लगातार नौ रातों तक देवियों की पूजा की जाती है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि बुराई पर सकारात्मक लेकिन शक्ति के साथ जुड़कर वह इन सब को प्राप्त कर लेता है। नवरात्रि में फल, दूध, कुट्टू या सिंघाड़े के आटे से बने व्यंजनों का सेवन, मां दुर्गा के मंत्रों का जाप और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें। इससे मन को शांति और साधना का विशेष फल मिलता है।

बीकापुर क्षेत्र में धमाके के साथ मकान जमींदोज, एक की मौत कई घायल

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी दोपहर में एक मकान में जोरदार विस्फोट के कारण दहल गई। बीकापुर के कोतवाली के सामने जाना बाजार रोड पर मकान में जबरदस्त विस्फोट में एक युवक की मौत हो गई और कई लोग घायल हैं। घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती। विस्फोट का कारण अभी अज्ञात नहीं है। बीकापुर में मकान में विस्फोट के प्रकरण में मुख्य अग्निशमन अधिकारी महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि जर्जर मकान की छत ढहने से हादसा हुआ है। यहां पर किसी प्रकार के विस्फोट होने के कोई साक्ष्य नहीं है। मकान के मलबे में दबने से एक युवक की मौत हो गई। दो युवक गंभीर रूप से घायल हैं, जिनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। वे स्थिति का जायजा ले रही हैं और राहत कार्यों में जुटी हैं। घटनास्थल पर सुरक्षा घेरा बना दिया गया है। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। जांच पूरी होने के बाद ही विस्फोट के सही कारणों का पता चल पाएगा। अधिकारी इस मामले में गहनता से जांच कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन ने प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। राहत और बचाव कार्य जारी है।

आसपास के तीन–चार घरों की दीवारों को भी नुकसान पहुंचा। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है। हादसा बीकापुर कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ और यह स्थान राममंदिर से करीब 25 किलोमीटर दूर है।

जिस घर में यह भीषण विस्फोट हुआ, वह विवेकानंद पांडे का बताया जा रहा है। धमाके में घायल हुए विवेकानंद पांडे की मां उषा देवी ने घटना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह घटना के समय घर पर मौजूद नहीं थीं। उनका बेटा घर पर था और वह गंभीर रूप से घायल हुआ है। उषा देवी ने कहा कि हम घर पर नहीं थे। मेरा बेटा घर पर था। बहुत चोट लगी है। उसे अस्पताल लेकर गए हैं। पता नहीं क्या दग गया। कैसे विस्फोट हुआ। हादसा बीकापुर कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर हुआ और यह स्थान राममंदिर से करीब 25 किलोमीटर दूर है।

बस दुर्घटना में किशोर की मौत, मां–बहन घायल

संवाददाता–संतकबीरनगर। महुली कस्बे के अब्दुल सत्तार इद्रसी के 14 वर्षीय बेटे सुहेल अहमद की रविवार को कन्नौज हाई–वे पर एक बस दुर्घटना में मौत हो गई। इस हादसे में उसकी मां शमा खातून और बहन सायना मामूली रूप से घायल हो गईं। सुहेल अपनी मां और बहन के साथ दस दिन पहले दिल्ली स्थित अपने ननिहाल, खड्डु कॉलोनी छह नंबर गली, गया था। वे शुक्रवार रात करीब आठ बजे दिल्ली से बस में सवार होकर महुली स्थित अपने घर लौट रहे थे। कन्नौज जिले के पास हाई–वे पर उनकी बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में सुहेल अहमद की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही महुली में उसके परिवार में शोक का माहौल छा गया।

परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए। दुर्घटना कैसे हुई या घायलों का इलाज किस अस्पताल में हुआ, इस संबंध में परिजनों ने कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। महुली थाना प्रभारी रजनीश राय ने बताया कि उन्हें इस घटना के संबंध में कोई सूचना नहीं मिली है।

पार्टी के आधार स्तंभ होते हैं कार्यकर्ता

संवाददाता–गोरखपुर। बेतियाहाता गोरखपुर स्थित सपा कार्यालय में महानगर समाजवादी पार्टी की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष शब्बीर कुरैशी ने की। लोकसभा प्रत्याशी रहीं काजल निषाद ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी के पिलर हैं, जिनकी मेहनत पर पूरी पार्टी टिकी होती है। सपा के परिवार में आए राजनेताओं का स्वागत है। बैठक में पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश यादव, प्रहलाद यादव, पूर्व महानगर अध्यक्ष जफर अमीन डक्कू, इनाममुल्लाह एडवोकेट ने कहा कि समाजवाद केवल एक नारा नहीं बल्कि जीवन की सच्चाई है। बैठक में देवेंन्द्र निषाद, युवजनसभा के जिलाध्यक्ष राहुल यादव, अविनाश तिवारी, अनूप यादव ईश्वर, शम्स आलम खान, फिरदौस आलम, सरिता सोनकर, रामकृपाल यादव, रामभवन शर्मा, संजय यादव, संतोष यादव, अनिल यादव, विनोद विश्वकर्मा ने सम्बोधित किया।

'बचत उत्सव' के नाम पर जनता को गुमराह कर रही भाजपा –संजय सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रविवार को गोरखपुर में केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'बचत उत्सव' के नाम पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। नोटबंदी से न तो काला धन खत्म हुआ और न ही जाली नोटों पर रोक लगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम आर्थिक दावों को खोखला बताते हुए कहा कि आम आदमी को राहत देने के बजाय महंगाई बढ़ाई गई है। संजय सिंह ने कहा कि जीएसटी को आर्थिक क्रांति बताया गया, लेकिन दरअसल यह जनता पर आर्थिक बोझ साबित हुआ। पहले 5 प्रतिशत कर को बढ़ाकर 28 प्रतिशत तक कर दिया गया, फिर भी एक देश एक टैक्स का सपना अधूरा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने आठ साल में जनता को महंगाई की आग में झोंक दिया और जीएसटी के नाम पर 127 लाख करोड़ रुपये वसूले। अब 'बचत उत्सव' की आड़ में जनता को भ्रमित किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि सरकार ने कोयले पर टैक्स बढ़ाकर बिजली और भवन निर्माण को महंगा कर दिया, जबकि कागज पर टैक्स 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। यह बचत नहीं, बल्कि 'चपत उत्सव' है। उन्होंने दावा किया कि

बजट के बाद कोई भी वस्तु सस्ती नहीं हुई है। बरेली की हालिया घटना पर संजय सिंह ने कहा कि यह सरकार की गहरी साजिश है, जिसमें निर्दोष लोगों को फंसाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी की 16 सदस्यीय टीम 7 अक्टूबर को बरेली जाएगी और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर वास्तविक स्थिति का जायजा लेगी।

उन्होंने बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाना ताकत का नहीं, अन्याय का प्रतीक है। प्रदेश की राजनीतिक स्थिति पर बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी फिलहाल पंचायत चुनावों पर फोकस कर रही है। पिछली बार 83 सीटें जीतने के बाद पार्टी ने संगठन को और मजबूत किया है। आगे विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति अलग से बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि जो लोग मुझे जानते हैं, वे जानते हैं कि मैं कभी भारतीय जनता पार्टी में शामिल नहीं हो सकता। भाजपा सरकार ने मुझे 183 दिन जेल में रखा, लेकिन इससे मेरे हौसले कमजोर नहीं हुए। मैं जनता के मुद्दों पर हमेशा आवाज उठाता रहूंगा। संजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार उद्योगपतियों को एक रुपये में हजारों एकड़ जमीन दे रही है, जबकि किसानों, कर्मचारियों और बेरोजगारों के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने मांग की कि पुरानी पेंशन योजना सभी राज्यों में लागू की जाए और आम जनता को राहत देने वाली नीतियां अपनाई जाएं।

शोहरतगढ़ में भारत–नेपाल सीमा पर सीओ ने की सुरक्षा बैठक

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ में पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश पर रविवार को भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष बैठक और पैदल गश्त की गई। यह कार्रवाई शोहरतगढ़ क्षेत्राधिकारी परवीन प्रकाश के नेतृत्व में श्ऑपरेशन कवचश के तहत की गई। यह बैठक एसएसबी कैंप बढ़नी में आयोजित हुई। इसमें थाना ढेबरुआ पुलिस, एसएसबी के अधिकारी–कर्मचारी और इंडो–नेपाल सीमावर्ती ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य शामिल हुए। सीओ परवीन प्रकाश ने श्ऑपरेशन कवचश के उद्देश्यों से सभी को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सीमा क्षेत्र में किसी भी अवैध गतिविधि, तस्करी या संदिग्ध आवाजाही की सूचना तुरंत पुलिस या एसएसबी को दी जानी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि भारत–नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर चौकसी और जनसहयोग ही सुरक्षा का सबसे प्रभावी कवच है। गोष्ठी के बाद सीओ परवीन प्रकाश के नेतृत्व में एसएसबी, ढेबरुआ पुलिस और ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्यों ने सीमा क्षेत्र में संयुक्त रूप से पैदल गश्त की। इस दौरान सीमावर्ती गांवों के लोगों से बातचीत कर उन्हें सतर्क रहने और संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर प्रभारी ऑपरेशन कवच एवं थानाध्यक्ष ढेबरुआ नारायण लाल श्रीवास्तव, एसएसबी के अधिकारी और पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि सीमा सुरक्षा को लेकर पुलिस और एसएसबी की यह संयुक्त मुहिम लगातार जारी रहेगी। स्थानीय लोगों के सहयोग से किसी भी अवैध गतिविधि को रोकने में सफलता मिलेगी। श्ऑपरेशन कवचश का मुख्य उद्देश्य सीमा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखना है, ताकि तस्करी या आपराधिक गतिविधियों को जड़ से समाप्त किया जा सके।

1093 लोगों ने दिया 'स्वस्थ बस्ती, स्वस्थ भारत' का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार का दिन जिले के लिए ऊर्जा, उत्साह और स्वस्थ जीवन के संदेश से सराबोर रहा। युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत भारतीय खेल प्राधिकरण तथा नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में 1093 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। राजकीय इंटर कॉलेज से शुरू होकर अमर शहीद सत्यवान सिंह स्टेडियम तक निकली इस साइकिल रैली में युवाओं, स्कूली बच्चों, अधिकारियों और नागरिकों ने 'स्वस्थ बस्ती, स्वस्थ भारत' का सशक्त संदेश दिया। सुबह से ही शहर के प्रमुख मार्गों पर युवाओं का जोश देखते ही बनता था। यह केवल साइकिल रैली नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, पर्यावरण प्रदूषण कम करने और फिटनेस को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान था। हर उम्र के प्रतिभागियों, बच्चों, महिलाओं, छात्र–छात्राओं, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने एक साथ साइकिल चलाकर शहर को फिटनेस की नई दिशा दी। मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती ने साइकिल चलाकर युवाओं का उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट का वास्तविक स्वरूप तभी साकार होगा जब हर नागरिक स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकता बनाए। बस्ती के युवाओं ने आज जो जोश दिखाया है, वह जिले की पहचान बनेगा।

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि 'संडे ऑन साइकिल केवल साइकिल चलाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति जनजागरण की दिशा में एक सार्थक अभियान है। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने इसे बस्ती मैराथन (19 अक्टूबर) की दिशा में एक प्रेरक शुरुआत बताया।

वहीं, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में स्वास्थ्य, अनुशासन और एकता का भाव बढ़ाते हैं। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ के अध्यक्ष भावेष पाण्डेय ने कहा कि श्यह आयोजन बस्ती के युवाओं की प्रतिबद्धता और समाज की एकता का प्रतीक है।

हमारा लक्ष्य है कि हर रविवार को साइकिल चलाने की परंपरा बने और संडे ऑन साइकिल एक दिन का नहीं, बल्कि एक आंदोलन बने। कार्यक्रम में स्टेडियम प्रबंधन, सुनील टीवीएस और नवयुग मेडिकल सेंटर का विशेष सहयोग रहा। आयोजन के दौरान पेयजल, सुरक्षा, तकनीकी व चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ रखी गई थी।

कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह, क्रीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार, जगदीश शुक्ल, सरोज मिश्र, रामविनय पाण्डेय, हिना खातून, संजय अग्रवाल, अमित यादव, संगीता यादव, मृदुल तिवारी, आशीष श्रीवास्तव, विनय त्रिपाठी समेत अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुति सरगम सुर म्यूजिक समूह के शिवम कुमार, ओम त्रिपाठी, समृद्ध लखमानी, आयुष मिश्रा और देवांश जायसवाल ने दी। आयोजन समिति में राम प्रताप सिंह, काजी फरजान, सुनील यादव, डॉ. सुधांशु पाण्डेय, अमित राय, रितिकेश सहाय, नवीन त्रिपाठी, हेमंत पाण्डेय, अमित पाण्डेय, आशुतोष श्रीवास्तव, उत्तम दुबे, योगेंद्र शुक्ल, विवेक मणि त्रिपाठी, अंकुर उपाध्याय, रत्नेश विश्वकर्मा आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

संचारी रोग अभियान का जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ

संवाददाता–संतकबीरनगर। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तीसरे चरण का रविवार को शुभारंभ हुआ। जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने खलीलाबाद स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर से अभियान के वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने दिमागी बुखार और संचारी रोगों से बचाव हेतु शपथ भी दिलाई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी रामानुज कनौजिया ने बताया कि यह विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 5 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक जनपद में चलाया जाएगा। जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने कहा कि यह अभियान जनपद में संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान, जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव ने उपस्थित लोगों को दिमागी बुखार और अन्य संचारी रोगों की रोकथाम एवं बचाव के लिए शपथ दिलाई। अभियान के तहत, प्रचार वाहन जनपद के कोने–कोने में जाकर संचारी रोगों की रोकथाम और बचाव के संबंध में जागरूकता फैलाएंगे। इस अवसर पर डॉ. वीपी पाण्डेय, डॉ. राम प्रसाद मौर्या, राकेश कुमार, शशिचंद पाण्डेय, अतिन कुमार श्रीवास्तव, रितेश कुमार सिंह, दीपक यादव और प्रेम प्रकाश कुमार सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में सम्मिलित होंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा 30 अक्टूबर से 2नवम्बर तक रोहिणी दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्मिलित होने की प्रबल संभावनाओं की आशा से देश विदेश के समस्त आर्य जन अत्यन्त उत्साहित हैं। यह जानकारी देते हुए ओम प्रकाश आर्य मुख्य संरक्षक आर्य वीर दल पूर्वी उत्तर प्रदेश ने बताया कि इसके लिए दिनांक 4अक्टूबर को सायं सम्मेलन के आयोजक विनय आर्य महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा और मनीष भाटिया कोषाध्यक्ष आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली के साथ ओम प्रकाश आर्य मुख्य संरक्षक आर्य वीर दल पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने मुख्यमंत्री आवास पर मिलकर उन्हें पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा बताते हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पदभार ग्रहण करने का अनुरोध किया जिसे उन्होंने स्वीकार किया और तिथि व समय निश्चित करके सूचना देने का आश्वासन दिया।

ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री और दूसरे देशों के राष्ट्रीय स्तर के मंत्री और गणमान्य प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।यह सूचना मिलते ही पूरे विश्व के आर्यों में खुशी की लहर है। इस अवसर पर विनय आर्य महामंत्री दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा ने बताया कि आम जनमानस के लिए भोजन और आवास की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। सम्मेलन स्थल पर विद्वानों विदुषियों के सानिध्य में गुरुकुल की कन्याओं और वेदपाठी विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण शोधक वृहद यज्ञ का आयोजन किया गया है।

इसके अलावा विभिन्न प्रदर्शनी, सेल्फी प्वाइंट, वैदिक साहित्य, हवन सामग्री, यज्ञ पात्र, ओम ध्वज, चित्र, स्टीकर, स्मृति चिह्न, औषधियां, आर्य वीर दल ड्रेस आदि बिक्री के लिए उपलब्ध रहेंगे। साथ ही देश की वर्तमान समस्याओं के निदान और भारतवर्ष के उत्थान के लिए विभिन्न सम्मेलनों का भी आयोजन किया गया है। कार्यक्रम शंका समाधान, शास्त्रार्थ, विचार गोष्ठी के अलावा आर्य वीर वीरांगनाओं का भव्य प्रदर्शन होगा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरूः विधायक ने दिखाई हरी झंडी, 31 अक्टूबर तक चलेगा दस्तक अभियान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद में संचारी रोगों की रोकथाम और जन–जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तीसरे चरण का शुभारंभ रविवार को कलेक्ट्रेट परिसर से किया गया। कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री श्याम धनी राही और जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य विभाग के जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर डुमरियागंज के सांसद प्रतिनिधि श्री एस.पी. अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया सहित स्वास्थ्य, नगर निकाय, पंचायतीराज, शिक्षा एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. ने बताया कि यह अभियान 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक पूरे जनपद में संचालित किया जाएगा।

इस दौरान डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसे मच्छर जनित रोगों और हैजा, टाइफाइड, डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएंगे। अभियान के तहत स्वास्थ्यकर्मी गांव–गांव और वार्ड–वार्ड जाकर घरों का भ्रमण करेंगे, कूलर, टंकी और खुले बर्तनों में जमा पानी की जांच करेंगे तथा लोगों को साफ–सफाई रखने की सलाह देंगे।

विधायक श्री श्याम धनी राही ने कहा कि जनस्वास्थ्य सुरक्षा के लिए ऐसे अभियान अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आस–पास सफाई बनाए रखें, पानी को ढककर रखें और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट करें।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया ने बताया कि दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा, आंगनबाड़ी और एएनएम कार्यकर्ता घर–घर जाकर बच्चों, गर्भवती महिलाओं और परिवारों को संचारी रोगों से बचाव के उपाय बताएंगी।

उन्होंने सलाह दी कि यदि किसी व्यक्ति में बुखार, दस्त या त्वचा संबंधी संक्रमण के लक्षण दिखें, तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच करवाएं।जागरूकता वाहनों के माध्यम से पूरे जिले में ष्साफ–सफाई ही बचाव हैष का संदेश दिया जाएगा। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि जनसहयोग से यह अभियान जिले को संचारी रोगों से मुक्त बनाने में सफल होगा।

महिलाओं को किया गया जागरूक, थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दी जानकारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मिशन शक्ति अभियान के पांचवें चरण के तहत थाना मोहाना पुलिस टीम ने ग्राम पंचायत रामपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। थानाध्यक्ष रोहित कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में टीम ने ग्राम प्रधान, पंचायत सहायिका, आशा बहू, बीसी सखी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं सहित महिलाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया।

यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश और अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के कुशल निर्देशन में आयोजित किया गया। क्षेत्राधिकारी सदर विश्वजीत सौरयान के पर्यवेक्षण में 5 अक्टूबर 2025 को यह चौपाल लगाई गई, जिसमें महिलाओं को मिशन शक्ति से संबंधित पैम्फलेट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई। इनमें विमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, और स्वास्थ्यध्एम्बुलेंस सेवा 102ध्108 शामिल हैं। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी प्रकार की असुरक्षा या समस्या होने पर वे बिना किसी झिझक के इन नंबरों पर संपर्क कर सकती हैं। उन्हें यह भी आश्वासन दिया गया कि उनकी शिकायतों को गोपनीय रखा जाएगा और उन पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। टीम ने महिलाओं को आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण तरीके भी बताए और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा निर्भीक होकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

नहर फाटक पर मिला अज्ञात शव

संवाददाता–संतकबीरनगर। दुधारा थाना क्षेत्र के छपिया माफी स्थित नहर फाटक पर एक अज्ञात शव तैरता हुआ मिला। ग्रामीणों की सूचना पर दुधारा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। यह घटना रविवार दोपहर करीब एक बजे की है। नहर फाटक पर शव को तैरता देख ग्रामीणों ने तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर बाघनगर चौकी प्रभारी सचिंद्र नाथ राय मौके पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया।

बब्बर शेर भरत ने ली अंतिम सांस

संवाददाता–गोरखपुर। चिड़ियाघर में इटावा लायन सफारी से लाए गए बब्बर शेर भरत की मौत हो गई। वो लंबे समय से बीमार चल रहा था। पिछले दिनों बब्बर सेर मरियन की मौत के बाद बाड़ा खाली होने पर भरत को एक साल पहले गोरखपुर चिड़ियाघर लाया गया था।

रविवार दोपहर में अचानक से तबीयत बिगड़ गई और शाम होते–होते उसकी मौत हो गई। चिडिध्याघर के पोस्टमार्टम हाउस में ही उसकी पीएम किया जाएगा। गोरखपुर में शेर भरत को इटावा लॉयन सफारी से लाया गया था और यह गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणी उद्यान में रहता था, जहां जून 2024 में उसका जन्मदिन भी मनाया गया था।

भरत के साथ एक शेरनी गौरी को भी इटावा लॉयन सफारी से गोरखपुर के प्राणी उद्यान में लाया गया था। 26 जून 2024 को शेर भरत का 5वां जन्मदिन मनाया गया, जिसके लिए मीट का केक भी काटा गया था। दरअसल, मरियम की मौत के बाद गोरखपुर चिड़ियाघर के बाड़े में सिर्फ एक बब्बर शेर पटौदी ही दर्शकों के लिए बाड़े में बचा था।

इनकी संख्या बढ़ाने के लिए चिड़ियाघर की टीम कई बार प्रयास की लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। लेकिन प्रदेश सरकार की पहल पर दो बब्बर शेरों को लाने में सफलता मिली थी। इसी के बाद चिड़ियाघर की टीम इटावा लायन सफारी से बब्बर शेर भरत और गौरी को लेकर आई थी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम नियाज अहमद पुत्र शौकत अली शाह था, अब मैने अपना नाम बदलकर नियाज अहमद शौकत अली सैयद कर लिया है। अब से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।

नियाज अहमद शौकत अली सैयद
ग्राम– चंदारत्ती
पोस्ट– खम्हरिया बुजुर्ग
तहसील– मनकापुर
जनपद– गोंडा।

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल **bhartiyabasti@gmail.com**
dainikbhartiyabasti@gmail.com